वाणिज्य में स्नातक कार्यक्रम **Bachelor of Commerce Programme**	कार्यक्रम कोड : बीकॉम **Programme Code : BCom**

उद्देय (Objectives):

– स्नातक उपाधि कार्यक्रम में चयनित विषयों में अर्जित दक्षता द्वारा ज्ञान और कर्म–कौशल का विस्तार।
– बेहतर ज्ञान और कर्म कौशल के आधार पर वांछनीय सामाजिक उपयोगिता का सूत्रपात।
– भावी विशेषज्ञ के लिए अध्ययन की भूमिका का निर्धारण।
– बेहतर व्यावसायिक एवं रोजगार परक स्थितियों का उन्नयन।

प्रवो योग्यता (Admission Eligibility):

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सीनियर सैकेण्डरी (10+2) परीक्षा उत्तीर्ण अथवा व.म.खु.वि से बीएपी/बीसीपी/बीएससीपी परीक्षा उत्तीर्ण अथवा समकक्ष।

अवधि (Duration) : न्यूनतम 3 वर्ष ; अधिकतम 8 वर्ष

माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध

श्रेयांक (Credit) : 108

भुल्क (Fee) : रूपये 3500/– (रूपये तीन हजार पाँच सौ मात्र) प्रतिवर्ष

वाणिज्य में स्नातक कार्यक्रम (पास कोर्स) भाग– I
Bachelor of Commerce Programme (Pass Course) Part-I

कार्यक्रम संरचना (Programme Structure):

बी.कॉम. कार्यक्रम में निम्नलिखित दो प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे। विद्यार्थी को हिन्दी माध्यम की पाठ्यसामग्री उपलब्ध करवायी जाएगी :

1. अनिवार्य पाठ्यक्रम *(Compulsary Courses)* (कोई श्रेयांक नहीं) उत्तीर्ण करना आवश्यक है।
2. ऐच्छिक पाठ्यक्रम *(Optional Courses)*

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses):

प्रथम वर्ष में निम्नलिखित दो अनिवार्य पाठ्यक्रम होंगे :

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	सामान्य हिन्दी *General Hindi*	क्यूएचडी *QHD*	लागू नहीं
2.	पर्यावरण अध्ययन *Environmental Studies*	क्यूईएस *QES*	लागू नहीं

इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यार्थी को प्रथम वर्ष के लिए उपलब्ध 36 श्रेयांकों के 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची अगले पृष्ठ पर दी गई है :

ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम (Optional Subjects):

विद्यार्थी को प्रथम वर्ष में 36 श्रेयांक के निम्नलिखित 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रम दिए जाएंगे :

क्र.सं. (S.No)	विषय का नाम (Name of Subject)	प्रश्नपत्र (Paper)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी *Accounting and Business Statistics*	*I*	वित्तीय लेखांकन *Financial Accounting*	बीसी–01 *BC-01*	6
		II	व्यावसायिक सांख्यिकी *Business Statistics*	बीसी–02 *BC-02*	6
2.	व्यावसायिक प्रशासन *Business Administration*	*I*	व्यावसायिक कानून *Business Law*	बीसी–03 *BC-03*	6
		II	व्यावसायिक संचार *Business Communication*	बीसी–04 *BC-04*	6
3.	आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध *Economic Administration and Financial Management*	*I*	व्यावसायिक अर्थशास्त्र *Business Economics*	बीसी–05 *BC-05*	6
		II	व्यावसायिक पर्यावरण *Business Environment*	बीसी–06 *BC-06*	6

वाणिज्य में स्नातक कार्यक्रम (पास कोर्स) भाग– II
Bachelor of Commerce Programme (Pass Course) Part-II

अनिवार्य पाठ्यक्रम (Compulsory Courses) :

द्वितीय वर्ष में लिये जाने वाले दो अनिवार्य पाठ्यक्रमों की सूची इस प्रकार है–

क्र.सं. (S.No)	विषय का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	सामान्य अंग्रेजी *General English*	क्यूईजी *QEG*	लागू नहीं
2.	प्रारम्भिक कम्प्यूटर अुनप्रयोग *Elementary Computer Application*	क्युसीए *QCA*	लागू नहीं

इन अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष के लिये उपलब्ध 36 श्रेयांकों के 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की सूची अगले पृष्ठ पर दी गई है :

ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम (Optional Subjects):

विद्यार्थी को द्वितीय वर्ष में 36 श्रेयांक के निम्नलिखित 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रम दिए जाएंगे :

क्र.सं. (S.No.)	विषय का नाम (Name of Subject)	प्रश्नपत्र (Paper)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1	लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी *Accounting and Business Statistics*	*I*	निगम लेखांकन *Corporate Accounting*	बीसी– 07 *BC- 07*	6
		II	लागत लेखांकन *Cost Accounting*	बीसी–08 *BC-08*	6
2	व्यावसायिक प्रशासन *Business Administration*	*I*	कम्पनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति *Company law& Secretarial Practice*	बीसी–09 *BC-09*	6
		II	व्यावसायिक संगठन एवं प्रबन्ध *Business Organisation & Management*	बीसी–10 *BC-10*	6
3	आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध *Economic Administration & Financial Management*	*I*	आर्थिक नीति एवं ग्रामीण विकास *Economic Policy & Rural Development*	बीसी–11 *BC-11*	6
		II	वित्तीय प्रबंध के तत्व *Element of Financial Management*	बीसी–12 *BC-12*	6

वाणिज्य में स्नातक कार्यक्रम (पास कोर्स) भाग– III
Bachelor of Commerce Programme (Pass Course) Part-III

ऐच्छिक विषय पाठ्यक्रम (Optional Subjects):

विद्यार्थी को तृतीय वर्ष में 36 श्रेयांक के निम्नलिखित 6 ऐच्छिक पाठ्यक्रम दिए जाएंगे :

क्र.सं. (S.No.)	विषय का नाम (Name of Subject)	प्रश्नपत्र (Paper)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी *Accounting and Business Statistics*	*I*	प्रबन्ध लेखांकन *Management Accounting*	बीसी–13 *BC-13*	6
		II	अंकेक्षण *Auditing*	बीसी–14 *BC-14*	6
2.	व्यावसायिक प्रशासन *Business Administration*	*I*	बीमा *Insurance*	बीसी–15 *BC-15*	6
		II	ई–कॉमर्स *E-Commerce*	बीसी–16 *BC-16*	6
3.	आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध *Economic Administration & Financial Management*	*I*	बैंकिंग विधि एवं व्यवहार *Banking Law & Practice*	बीसी–17 *BC-17*	6
		II	अर्न्तराष्ट्रीय व्यवसाय *International Business*	बीसी–18 *BC-18*	6

परीक्षा पद्धति (Examination Pattern):

न्यूनतम अवधि अर्थात् एक वर्ष के पश्चात् प्रत्येक पाठयक्रम के सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम की 3 घण्टे की लिखित परीक्षा होगी। जिन पाठयक्रमों में प्रायोगिक भी हैं उन पाठयक्रमों की निर्धारित अवधि की प्रायोगिक परीक्षा भी होगी। प्रत्येक ऐच्छिक विषय (दोनों अथवा तीनों सैद्धान्तिक पाठ्यक्रमों को जोड़कर) में न्यूनतम 36 प्रतिशत अंक आने पर विद्यार्थी उत्तीर्ण होगा। परन्तु विद्यार्थी को ऐच्छिक विषय के सभी पाठयक्रमों की परीक्षा में सम्मिलित होना आवश्यक होगा। यदि कोई विद्यार्थी ऐच्छिक विषय के किसी एक अथवा अधिक पाठयक्रमों में अनुपस्थित रहता है तो वह उन पाठयक्रमों में अनुत्तीर्ण माना जाएगा। जिस सैद्धान्तिक/प्रायोगिक पाठयक्रम में 36 प्रतिशत से कम अंक प्राप्त हुए हैं उन सैद्धान्तिक/प्रायोगिक पाठ्यक्रम की परीक्षा पुनः देनी होगी एवं जिनमें 36 प्रतिशत अंक प्राप्त हो जाते हैं उनमें पुनः परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं होगी। विद्यार्थी जिन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण नहीं कर पाया है तो उन पाठ्यक्रमों को उत्तीर्ण करने के लिए छः माह बाद होने वाली आगामी परीक्षा में पुनः बैठ सकता है। किसी एक परीक्षा में नए एवं पुराने अनुत्तीर्ण रहे पाठ्यक्रमों को मिलाकर अधिकतम 54 श्रेयांकों के पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकता है। सैद्धान्तिक और प्रायोगिक दोनों पाठयक्रमों में अलग–अलग न्यूनतम उत्तीर्णांक प्राप्त करना आवश्यक है। प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम के साथ श्रेणी नहीं दी जाएगी। तृतीय वर्ष के परीक्षा परिणाम के साथ श्रेणी* की घोषणा की जाएगी जो इस प्रकार है :

प्रथम श्रेणी	–	60 प्रतिशत एवं अधिक
द्वितीय श्रेणी	–	48 प्रतिशत एवं 60 प्रतिशत से कम
उत्तीर्ण	–	36 प्रतिशत एवं 48 प्रतिशत से कम

*श्रेणी की गणना में अनिवार्य पाठ्यक्रमों के अंकों को शामिल नहीं किया जायेगा परन्तु इन्हे उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा